been ordered. As per present indications, the studio at Sambalpur is expected to be completed during 1996-97.

Increase in visual content of regional news

6988. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether there was a demand made by State Government of Orissa to increase the visual content of regional news bulletin on Doordarshan;

(b) if so, the details of the demand made by Government of Orissa; and

(c) the steps taken to consider and implement the demand?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) to (c) No formal reference appears to have been received by the Government in this regard. Nevertheless, it is Doordarshan's constant endeavour, within the constraints of resources, manpower and time to increase the visual content in its national and regional news bulletins.

दूरदर्शन पर प्रदर्शित फिल्में

6989. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दूरदर्शन इस समय किन-किन क्षेत्रीय भाषाओं में अपने कार्यक्रमों को प्रसारित करता है ;

(ख) विगत एक वर्ष के दौरान अर्थात् अप्रैल, 1994 से मार्च, 1995 तक दूरदर्शन द्वारा कितनी फिल्मों का प्रसारण किया गया ; और

(ग) इनमें किन-किन भाषाओं की कितनी-कितनी फिल्में प्रदर्शित की गई ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) दूरदर्शन निम्नलिखित क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों को प्रसारित करता है :—

असमिया
बंगला
गुजराती
कन्नड़
कश्मीरी
कोंकणी
मलयालम
मणिपुरी
मराठी
नेपाली
उड़िया
पंजाबी
सिंधी
तमिल
तेलुगु
उर्दू

(ख) और (ग) इस अवधि के दौरान दूरदर्शन द्वारा इसके डीडी-1 (स्थलीय) चैनल पर 854 फिल्में प्रसारित की गई थीं। प्रसारित फिल्मों का भाषा/बोली वार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

दूरदर्शन (के स्थलीय चैनल) पर अप्रैल, 1994 से मार्च, 1995 के दौरान दिखाये गये चलचित्रों का ब्यौरा

असमिया	. .	73
बंगला	. .	218
गुजराती	. .	30
हिन्दी	. .	178

1	2
कन्नड़	59
कोंकड़ी	2
मलयालम	58
मणिपुरी	7
मराठी	41
नेपाली	1
उड़िया	29
पंजाबी	16
तमिल	65
तेलुगु	64
अवधी	3
भोजपुरी	3
बोड़ो	1
हरियाणवी	2
राजस्थानी	1
तुलु	3

Title clearance of newspapers

6990. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the number of applications received by the Registrar of Newspapers during the period from 1-4-94 to 31-3-95 for title clearance of new newspapers;

(b) the number of titles cleared during the said period; and

(c) the number of applications for title clearance pending as on 1-4-95?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) During the period from 1-4-1994 to 31-3.1995, 20581 applications were received by the Registrar of Newspapers for India for title clearance.

(b) 11610 applicatons for titles were cleared. In the case of 8601 applications, titles were not available for clearance.

(c) 370 applications were pending as on 1.4.1995.

समाचार पत्रों की लागत में वृद्धि

6991. **श्री सतीश प्रधान :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) देश में समाचार पत्रों के महंगा होने के क्या कारण हैं तथा इसके लिए कौन उत्तरदायी है।

(ख) क्या अखबारी कागज प्रदान करने की सरकारी नीति इस महंगाई के मूल कारण की जिम्मेदार है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस पर विचार कर रही है तथा उक्त उल्लिखित मूल कारण को दूर करने का प्रयास कर रही है;

(घ) स्वदेशी अखबारी कागज और विदेशी अखबारी कागज की कीमतों में इतना अधिक अन्तर होने के क्या कारण हैं;

(ङ) स्वदेशी कागज के मंहगे होने के क्या कारण हैं जबकि विदेशी कागज अपेक्षाकृत सस्ता है; और

(च) स्वदेशी कागज के घटिया होने के क्या कारण हैं जबकि विदेशी कागज की गुणवत्ता बेहतर है और वह सस्ता है?